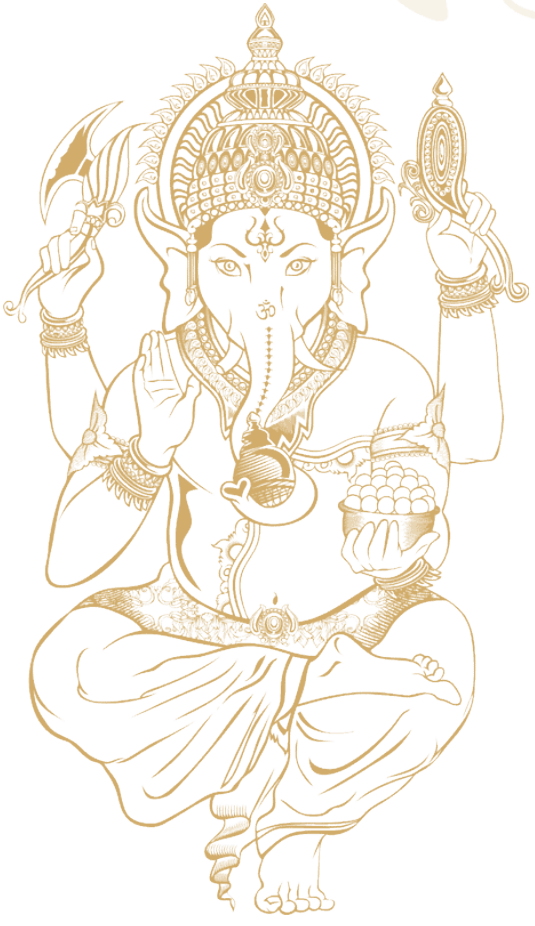

Chetan

Shri Vidya

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120886601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120886601 Date: 09/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28-29/12/1995	जन्म तिथि	21/11/1998
गुरु-शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 03:00:00	जन्म समय	15:15:00 घंटे
घटी 48:50:32	जन्म समय(घटी)	20:33:23 घटी
India	देश	India
Gulabgarh	स्थान	Hyderabad
33:17:00 उत्तर	अक्षांश	17:22:00 उत्तर
76:12:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:12	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:27:47	सूर्योदय	06:24:30
17:26:01	सूर्यास्त	17:39:43
23:48:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:18

तुला	लग्न	मीन
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मीन	राशि	वृश्चिक
गुरु	राशि-स्वामी	मंगल
उ०भाद्रपद	नक्षत्र	ज्येष्ठा
शनि	नक्षत्र स्वामी	बुध
4	चरण	4
वरियान	योग	धृति
बव	करण	तैतिल
ञ--	जन्म नामाक्षर	यू-युक्ता
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	कीटक
गौ	योनि	मृग
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 3वर्ष 8मा 12दि		14:31:49	तुला	लग्न	मीन	24:46:22	बुध 0वर्ष 6मा 25दि	
शुक्र		12:52:24	धनु	सूर्य	वृश्चि	05:01:57	शुक्र	
10/09/2023		14:04:11	मीन	चंद्र	वृश्चि	29:33:12	17/06/2006	
10/09/2043		27:56:58	धनु	मंगल	कन्या	02:45:38	17/06/2026	
शुक्र	10/01/2027	01:25:19	मक	बुध	वृश्चि	23:43:03	शुक्र	16/10/2009
सूर्य	10/01/2028	04:58:13	धनु	गुरु	कुंभ	24:25:46	सूर्य	17/10/2010
चन्द्र	10/09/2029	14:59:46	मक	शुक्र	वृश्चि	10:35:24	चन्द्र	16/06/2012
मंगल	10/11/2030	25:23:25	कुंभ	शनि व	मेष	04:12:14	मंगल	17/08/2013
राहु	10/11/2033	29:42:48	कन्या	राहु व	सिंह	02:27:41	राहु	16/08/2016
गुरु	11/07/2036	29:42:48	मीन	केतु व	कुंभ	02:27:41	गुरु	17/04/2019
शनि	10/09/2039	05:22:25	मक	हर्ष	मक	15:26:44	शनि	17/06/2022
बुध	11/07/2042	00:45:42	मक	नेप	मक	06:00:18	बुध	17/04/2025
केतु	10/09/2043	08:02:32	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:43:54	केतु	17/06/2026

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:11 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:18

लग्न-चलित

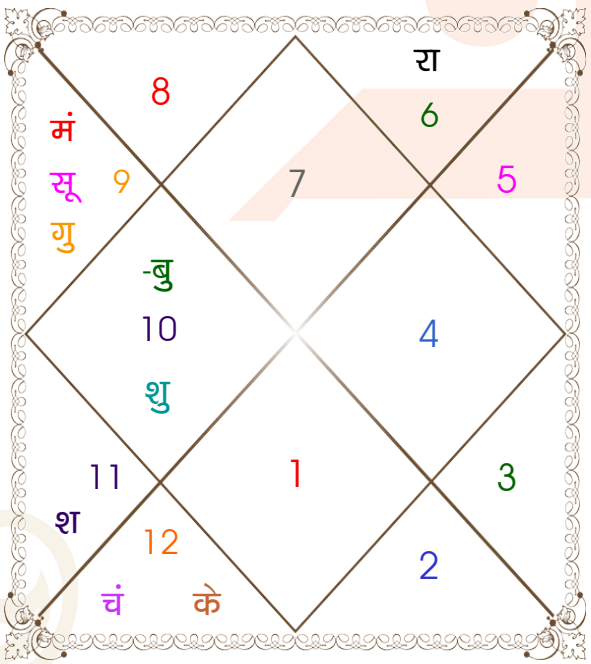

लग्न-चलित

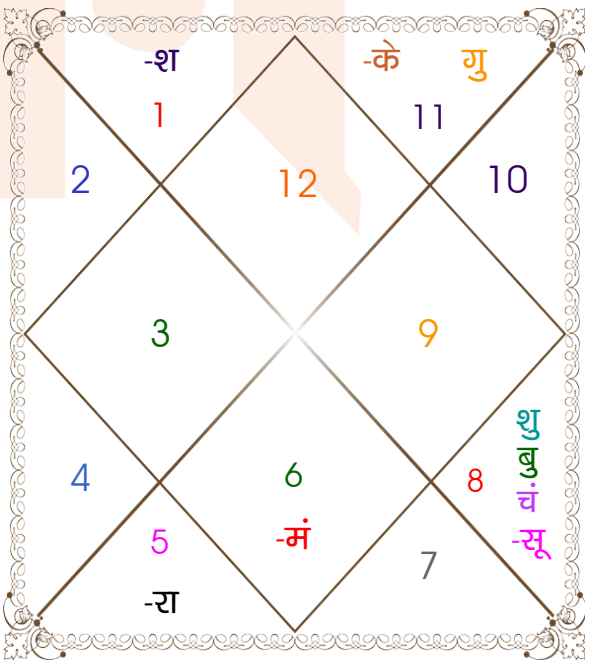

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

कुल : **21 / 36**

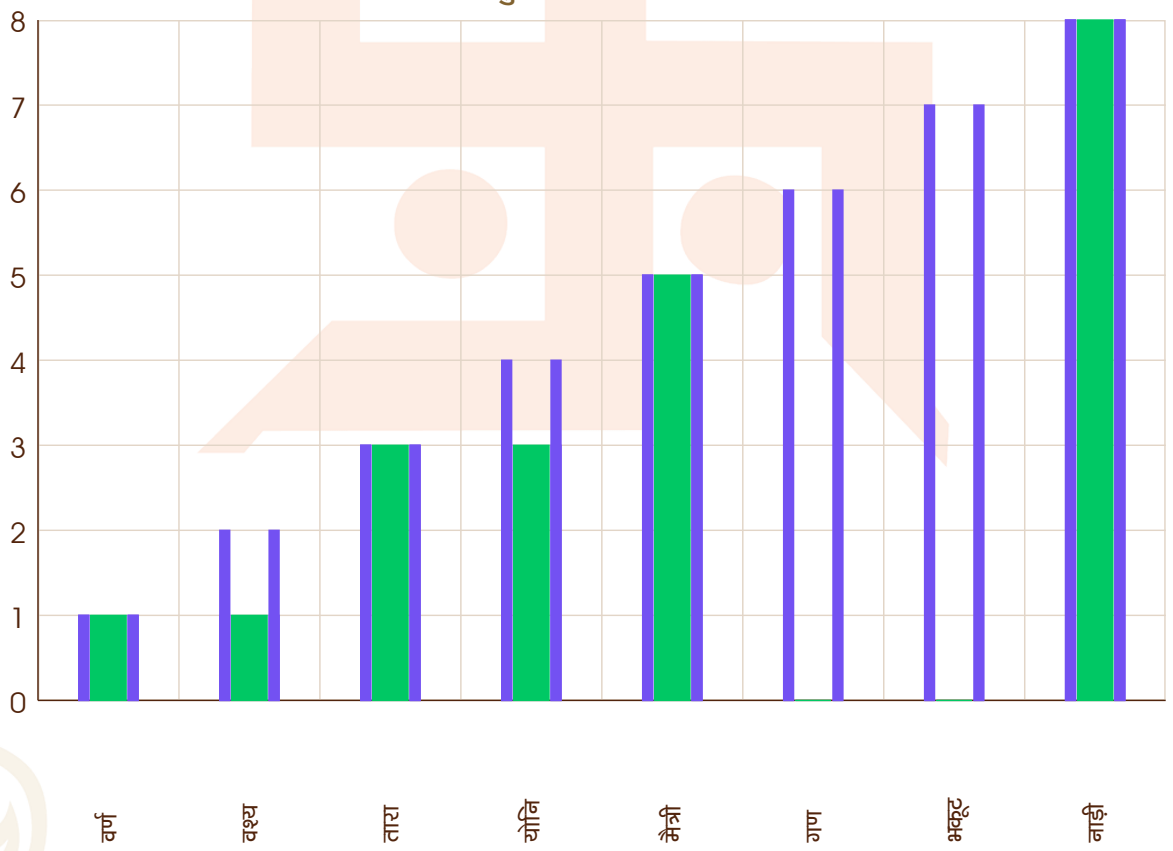

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Chetan का वर्ग सिंह है तथा ौतप टपकलं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Chetan और ौतप टपकलं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Chetan मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ौतप टपकलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Chetan कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Chetan तथा ौतप टपकलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Chetan का वर्ण ब्राह्मण तथा ौतप टपकलं का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

Chetan का वश्य जलचर है एवं ौतप टपकलं का वश्य कीट है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं कीट वश्य न तो एक-दूसरे के मित्र होते हैं और न ही शत्रु होते हैं। अर्थात दोनों एक-दूसरे के प्रति सम होते हैं। जलचर Chetan एवं कीट ौतप टपकलं के बीच वैवाहिक संबंध होने पर दोनों के बीच उदासीनता के साथ-साथ प्रेम का अभाव भी बना रहेगा जिससे जीवन बिल्कुल नीरस हो सकता है। अधिकतर समय दोनों एक-दूसरे के बीच समझौता करके अपना जीवन यापन करते रहेंगे किंतु समय-समय पर जैसे डंक मारना कीट का नैसर्गिक स्वभाव होता है। उसी प्रकार Chetan को हमेशा सावधान रहना पड़ेगा अन्यथा उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

तारा

Chetan की तारा अतिमित्र तथा ौतप टपकलं की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Chetan हमेशा ौतप टपकलं के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Chetan की योनि गौ है तथा ौतप टपकलं की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी

मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Chetan एवं तप टपकलं दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Chetan एवं तप टपकलं के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Chetan एवं तप टपकलं जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Chetan का गण मनुष्य तथा तप टपकलं का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः तप टपकलं का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Chetan एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Chetan से तप टपकलं की राशि नवम भाव में स्थित है तथा तप टपकलं से Chetan की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। Chetan की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

Chetan की नाड़ी मध्य है तथा तप टपकलं की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Chetan की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा ौतप टपकलं की राशि भी जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। अतः तत्वों में नैसर्गिक समानता होने के कारण इनमें स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिससे दाम्पत्य संबध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः मिलान उत्तम रहेगा।

Chetan की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति तथा ौतप टपकलं की जन्म राशि का स्वामी मंगल परस्पर मित्र राशियों में स्थित है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति उत्तम रहेगी इसके प्रभाव से Chetan और ौतप टपकलं का आपस में प्रेम, सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। एक सच्चे मित्र की तरह गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे परस्पर तनाव तथा विश्वास के भाव में वृद्धि होगी तथा सुखी दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में इनको सफलता प्राप्त होगी।

Chetan एवं ौतप टपकलं की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर स्वार्थ एवं अंहकार के भाव में वृद्धि होगी जिससे संबंधों में तनाव तथा कटुता का वातावरण बनेगा तथा दाम्पत्य जीवन में अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। अतः यदि Chetan और ौतप टपकलं परस्पर सामंजस्य की प्रवृति तथा बुद्धिमता से कार्य लें तो उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता हो सकती है तथा जीवन में शांति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करने में दोनों समर्थ हो सकते हैं।

Chetan का वश्य जलचर तथा ौतप टपकलं का वश्य कीट है। जलचर एवं कीट के मध्य नैसर्गिक मित्रता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी एक ही होंगी। फलतः काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे जिससे वैवाहिक जीवन सुख शांति एवं प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

Chetan एवं ौतप टपकलं दोनों का वर्ण ब्राहमण है। अतः इनकी कार्य क्षमता समान रहेगी तथा शैक्षणिक, धार्मिक तथा अन्य सत्कार्यो को करने में तत्पर होंगे फलतः इनकी कार्य क्षेत्र की स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

Chetan का जन्म अतिमित्र तथा ौतप टपकलं का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से ौतप टपकलं एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा ौतप टपकलं के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार Chetan औरौतप टपकलं आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Chetan औरौतप टपकलं को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Chetan की नाड़ी मध्य तथौतप टपकलं की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका कोई दुष्प्रभाव इन पर नहीं पड़ेगा परन्तु मंगल की स्थिति प्रतिकूल रहेगी जिसके प्रभाव से Chetan रक्त तथा पित विकार से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही हृदय रोग संबधी परेशानी भी होगी एवं रतिक्रिया संबंधी निष्क्रियता के भाव की भी उत्पत्ति की संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति की संभावना उत्पन्न होगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Chetan को हनुमान जी की नियमित पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Chetan औरौतप टपकलं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Chetan औरौतप टपकलं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय मेंौतप टपकलं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिनौतप टपकलं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल मेंौतप टपकलं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Chetan औरौतप टपकलं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Chetan औरौतप टपकलं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ौतप टपकलं के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांतौतप टपकलं के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

ौतप टपकलं अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकारौतप टपकलं के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Chetan तथा सास के संबधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि Chetan तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में Chetan के संबध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी Chetan को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। Chetan समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण Chetan के प्रति अनुकूल ही रहेगा।